भौतिक भाग

→ पृथ्वी के निर्माण का सिद्धान्त वेगनर (जर्मनी) ने अपनी पुस्तक महाद्वीपीय विस्थापन सिद्धान्त मे दिया (1912)

→ जीवाश्मो के आधार पर -

→ राजस्थान - हिमानी
→ हिमालय - मछली
→ अंटार्कटिका - कोयला
→ अफगानिस्तान → वनस्पति के अवशेष मिले।

→ वेगनर ने बताया की कार्बोनिफेरस युग मे समस्त स्थलखण्ड आपस मे जुड़ा था जिसे पेंजिया व पेंजिया के मध्य छिछला सागर टेथिस सागर, पेंजिया के चारो तरफ का जलीय क्षेत्र पैंथालासा नामक महासागर था।

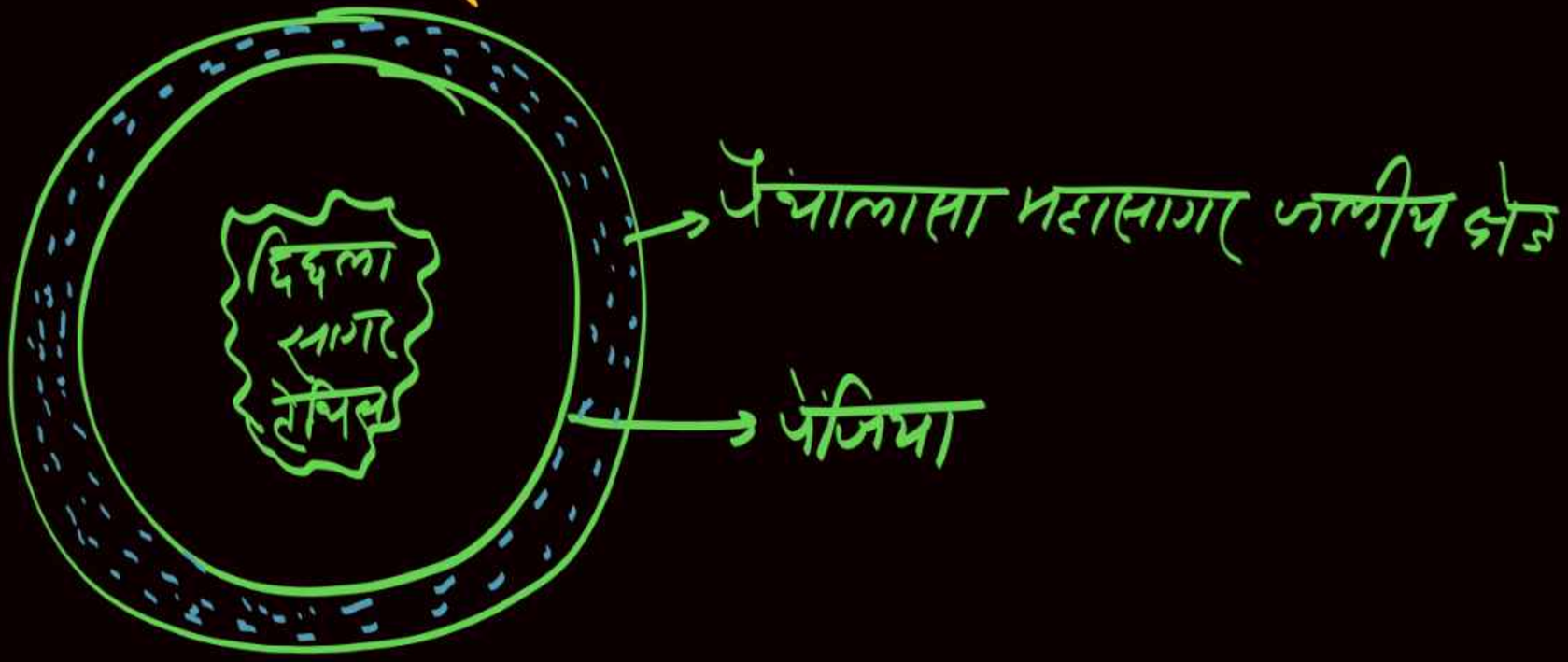

→ टर्शियरी युग में पेंजिया का विभाजन हो गया तो पेंजिया के उत्तरी भाग को अंगारा भूमि व दक्षिणी भाग को गोंडवाना भूमि नाम दिया व मध्य टेथिस सागर -

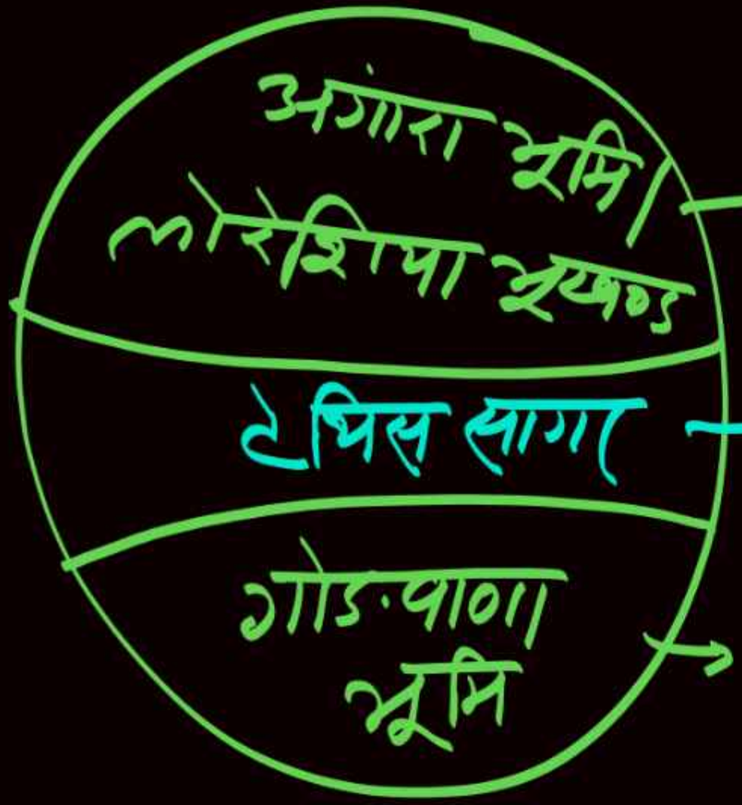

अंगारा भूमि → उत्तरी अमेरिका, एशिया, यूरोप महाद्वीप बने।

टेथिस सागर → हिमालय पर्वत माला का निर्माण

गोंडवाना भूमि → दक्षिणी अमेरिका, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, प्रायद्वीपीय भारत

→ कालान्तर में भूगर्भ में हुई आन्तरिक हलचल के कारण अरावली भूमि व गोंडवाना भूमि से महाद्वीपों का व टेथिस सागर से हिमालय पर्वतमाला का व पैंथालासा महासागर से महासागरों का निर्माण हुआ।

→ जिसके अन्तर्गत राजस्थान के 4 भौगोलिक खण्ड बने

① अरावली पर्वतीय प्रदेश → अवशेष → गोंडवाना भूमि

② दक्षिणी पूर्वी पठारी प्रदेश → गोंडवाना भूमि

③ पूर्वी मैदानी प्रदेश → टेथिस सागर

④ उत्तर पश्चिमी मरुस्थलीय प्रदेश → टेथिस सागर

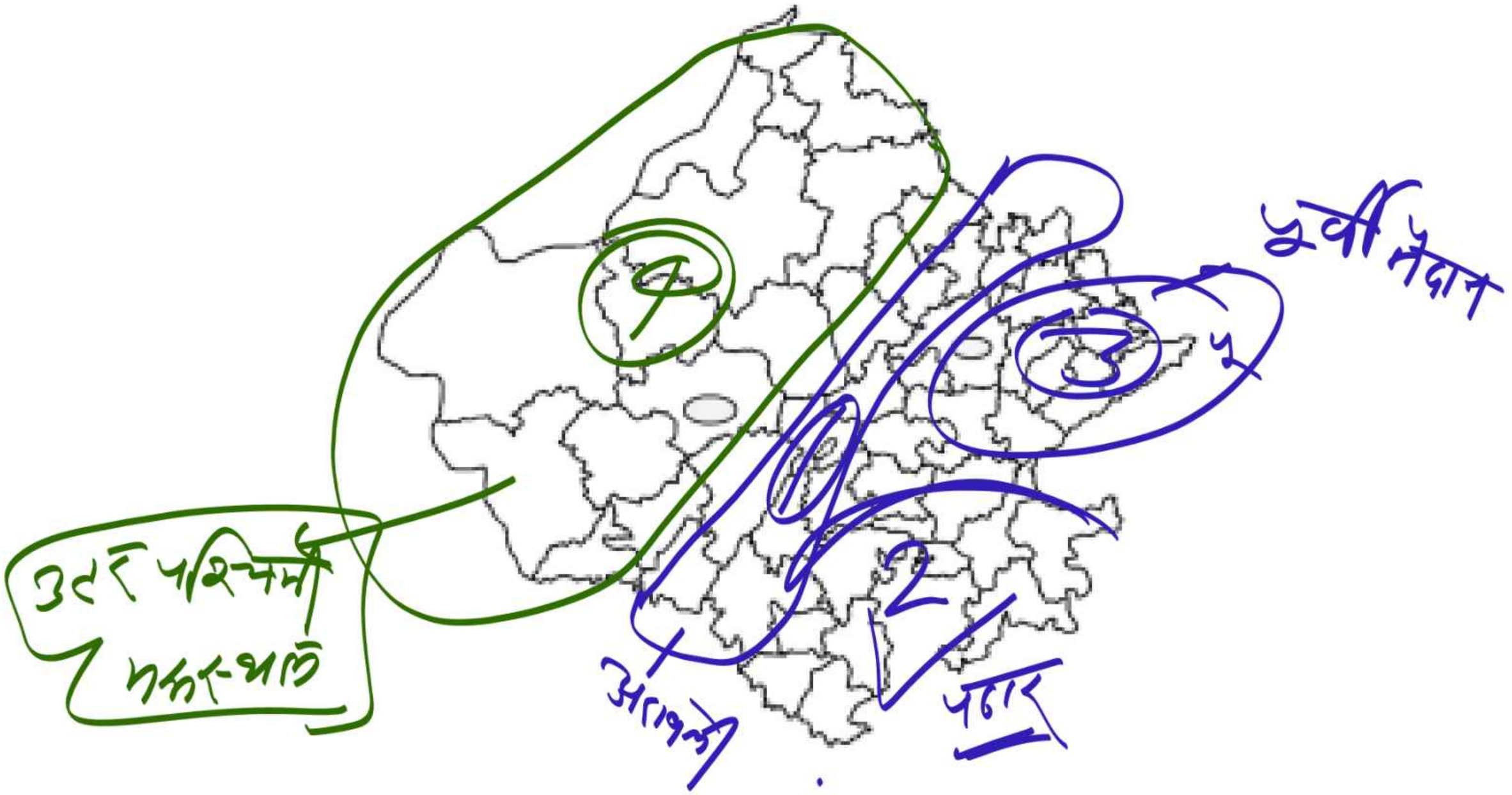

उत्तर पश्चिमी मरुस्थल
अरावली
पठार
पूर्वी मैदान

→ राजस्थान के भौगोलिक खण्ड :-

- सर्वप्रथम V. C मिश्रा ने राजस्थान को 7 भौगोलिक खण्डो में विभाजित किया (1967-68)

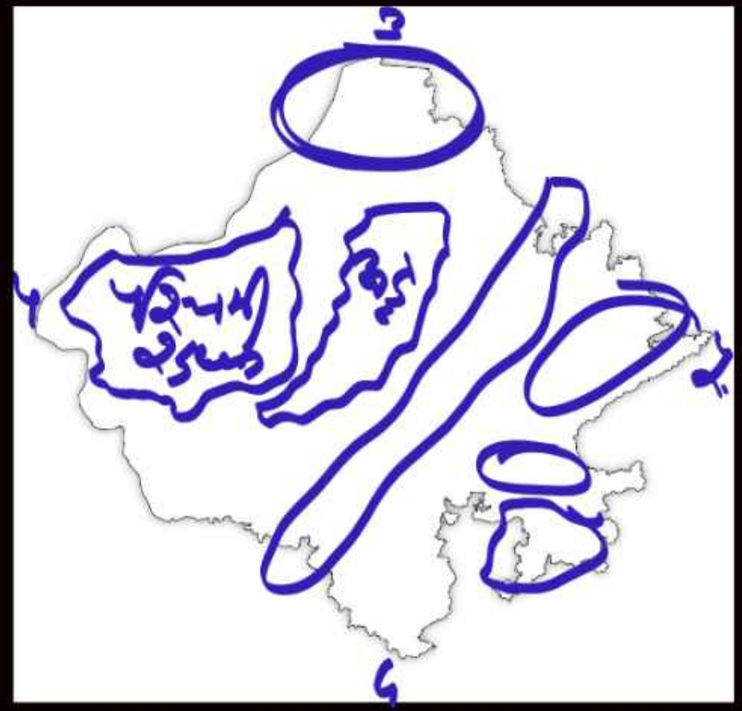

→ डा. राम लोचन ने 1971 मे राजस्थान को 2 वृहद प्रदेश 4 उप प्रदेश व 12 लघु प्रदेशो मे विभाजित किया

वृहद प्रदेश = ②

- राजस्थान
  - मरुस्थल
  - बांगा
- राजस्थान पठार
  - अरावली पहाड़
  - चंबल बेसिन

→ प्रो. A.R तिवारी व डा. H.M. सक्सेना ने राजस्थान की जलवायु, नदी प्रणाली व प्राकृतिक स्थिति को आधार मानते हुए राजस्थान को 4 भौगोलिक खण्डों में विभाजित किया।

नाम	क्षेत्रफल	जनसंख्या
① उत्तर पश्चिमी मरुस्थल	61.11%	40%
② मध्यवर्ती अरावली प्रदेश	9%	10%
③ दक्षिणी पूर्वी पठारी प्रदेश	6.89%	11%
④ पूर्वी मैदानी प्रदेश	23%	39%